राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–193/2024

अधिवक्तागण समाज के अंतिम व्यक्ति एवं राष्ट्र के हित को ध्यान में रखकर अपना काम करें–राज्यपाल

पटना, 19 सितम्बर, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार विधान परिषद्, पटना के सभागार में आयोजित अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्तागण समाज के अंतिम व्यक्ति एवं राष्ट्र के हित को ध्यान में रखकर अपना काम करें।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के हित में बनाए गए अनेक ब्रिटिशकालीन कानून आज भी हमारे देश में विद्यमान हैं। अधिवक्ताओं को इसपर विचार करते हुए अनावश्यक कानूनों को समाप्त करने हेतु इन्हें सरकार के संज्ञान में लाना चाहिए। वे आज के समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखकर कानून के संबंध में सोचें। सभी अधिवक्ताओं में राष्ट्रीयता की भावना होनी चाहिए। वे अपने भीतर 'राष्ट्रहित सर्वप्रथम' की भावना को स्थापित करें। ऐसा होने पर अनेकानेक प्रश्न स्वतः ही हल हो जाएँगें।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे मन की धारणा एवं विचार को संवैधानिक आधार देने के लिए ही कानून बनते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कानून हो अथवा नहीं, परन्तु जीवन मूल्यों को संभालकर रखें। यह हमारा दायित्व है। उन्होंने एक अच्छा इंसान (Good Human Being) बनने पर जोर देते हुए कहा कि एक अच्छा व्यक्ति हमेशा अच्छा कार्य करता है, चाहे वह किसी भी पेशे से संबंध रखता हो।

कार्यक्रम को माननीय नगर विकास एवं आवास और विधि मंत्री श्री नितिन नवीन एवं अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के संगठन मंत्री श्री श्रीहरि बोरिकर ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद्, बिहार राज्य इकाई के प्रदेश अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, क्षेत्रीय संयोजक श्री सुनील कुमार, परिषद् के सदस्यगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

....